

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्र, शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

अवधाननामा संस्कारदृष्टिका

गोरखनाथपुर। पूर्णे उत्तर प्रदेश की जारी विकास चाल में लक्ष्मीनारायण को एक और सुनहरा अव्यय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपत्रक लिखा की ओर अवधार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, इंडियन्स्प्रिट, भगवान्नपुर, भगवान्नपुर उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उसके स्टार्टअप्स में बदलाव बनेगा। इसे लेकर लक्ष्मीनारायण को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिवर्त में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्तांकित किया गया। दोषान्धित है कि इस विश्वविद्यालय के कूलधिपति मुख्यमंत्री एवं विधायिकाओं द्वारा योग्यप्रतिवेद्य देय आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना तिथा व्यवस्था धेज के ऊपर तथा



गोरखनाथपत्रक के लिए, उनकी दूरवर्तीत का ही परिणाम है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का डॉक्यूमेंट विश्वविद्यालय में अध्यवसरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर, पैश मेडिकल, आयुर्वेद के लेव में अवधार मध्यवर्तीओं के प्रति जगहलक्षण व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों के हैल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और अयूर्वेद के लेव में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे छात्रों के लिए उद्यमी बनाकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धनवद देते हुए, कहा

की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वचल के पुढ़ते वह फलमेली, ड्रायप, हेल्पकेवर और सेप्हारिल थेटजों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। अनेकों समय में ये छात्र रोजगार सूझन करते हुए पूर्वचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बदला देने वालों को स्वयंजगार से जहाँने के अद्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर यार्ड का किया जा रहा है। इस अवधार पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के वकुलसचिव डॉ. प्रदीप गव्हर, ईडीआईआई अहमदाबाद में पहिली एडमिकेशनी और रिसर्च विभाग एवं तकात विवादित विभागीय भी उद्दिष्ट किये गये। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) का प्रधान कार्यालय गोधी नगर, गुजरात में है। ईडीआईआई ने कई गाजों में बैठोप एवं परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्र

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित
- विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

स्वतंत्र घेतना
नगर संवाददाता/ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया
गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश गया। उल्लेखनीय है कि इस की जारी विकास यात्रा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपाठाधीशवर योगी आदित्यनाथ है। इस में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधार्म गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ

दूरदर्शिता का ही परिणाम है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद



के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहाँ देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सृजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वोर्गीण विकास में सहयोगी बनेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी (सेवानिवृत) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद

के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एव्सीलेस) के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आगेनइंजेशन है। ईडीआईआई को सामान्य (गैर-तकनीकी) शैक्षणिक में अटल रैकिंग ॲफ इंस्टट्यूशन ॲन इनोवेशन अवीवमेंट्स (अफ्मास) द्वा 2021 द्वारा संस्थानों की रैकिंग के तहत प्रथम स्थान दिया गया है।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र, शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अन्यथा जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अवसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उक्खनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के त्रयन

तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी हेतु घेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के



अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश परा मैटिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता

कुलपति मौजर जनरल डॉ. अनुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों की विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्थकेयर, आदि संपादित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कूलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पोलिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर शोरीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

उद्यमी बनेंगे गोरखनाथ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट

FILE PHOTO



महायोगी गोरखनाथ
यूनिवर्सिटी गोरखपुर और
आरतीय उद्यमिता विकास
संस्थान (ईडीआईआई)
अहमदाबाद के बीच एमओयू

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (30 April): पूर्वी

उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में
शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय
जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार
के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर
अग्रसर महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी,
आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता
विकास संस्थान (ईडीआईआई)

अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को
उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में

मददगार बनेगा, इसे लेकर शनिवार को
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के
परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास
संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक
एमओयू हुआ।

टूर्टरिटा का है परिणाम

इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति
मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी

आदित्यनाथ हैं, इस विश्वविद्यालय
की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के
कायन और रोजगारपर कता के लिए
उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।
भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के
साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय
में अध्ययनरत छात्रों को फर्मेसी,
हैल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद
के क्षेत्र में अपार संभावनाओं के प्रति

जागारुक व उद्यमिता के लिए प्रेरित
करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय
के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फर्मेसी
और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता के
लिए सहयोग करेगा, जिससे यहाँ के
छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के
विकास में योगदान कर सकें।

एमओयू की उपयोगिता पर जोर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की
ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल
वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई
अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ.
सुनील जुबल ने एमओयू पर हस्ताक्षर
किए, इस अवसर पर छाँ. वाजपेयी ने
एमओयू की उपयोगिता पर जोर देते
हुए, इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में
उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण
कदम बताया।

हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मसी और आयुष के क्षेत्र में उद्यमिता को सहयोग करेगा संस्थान : डा. सुनील शुक्ल स्टार्टअप के जरिये उद्यमी बन सकेंगे गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र

जगत्प्रण राजभूमि, गोरखपुर : शोध, अंगुरधान एवं नवाचार के साथ गोजायेपक शिक्षा की ओर अग्रसर महावाहन गोरखनाथ विश्वविद्यालय अब अपने विद्यार्थियों को उद्यमी भी बनाएगा। उन्हें स्टार्टअप के लिए मदद करेगा। विश्वविद्यालय ने इसके लिए धारारोध उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ कारबर किया है। शनिवार को विविध प्रसिद्ध में इस कारबरामें पर दोनों आर संहसार किया गया।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिकारी क. नृजीमरी बोगेर अधिदिवान के मामदशान में बुलवति मेजर जनरल डा. अनुल बाजपेयी और उद्यमिता विकास संस्थान की

ओर से महानिदेशक डा. सुनील शुक्ल ने कारबरामें पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर डा. बाजपेयी ने इस कारबर के बाद विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप के लिए विशेषज्ञों से बेहतर नामदर्दान प्राप्त कर सकेंगे।

डा. सुनील शुक्ल ने कहा कि वह समझीत निरचित रूप से प्रवचनों के युवाओं को फार्मसी, आयुष, हेल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्र में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। अन बाले समय में ये छात्र योजनार सुनान करते हुए प्रौद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग करेंगे।

डा. शुक्ल ने बताया कि नवाचार व उद्यमिता के बढ़ावा देने और छात्रों को स्वरोजगर संस्कार के लिए उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के लिए हुए कारबर के द्वारा उपायित कृतियां फेजर जनरल डा. अनुल बाजपेयी, संस्थान के

से संस्कार द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जमानी स्तर पर कर्तव्य किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप राव, उद्यमिता विकास संस्थान के सेवीय कार्यालय प्रभारी डा. अमित कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

उद्यमिता संस्थान के विवर में जानकारी दें हूप, कुलसचिव ने बताया कि वह संस्थान शास्त्र सरकार के क्षेत्रल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से संटंक आफ एकसाँलोंस के रूप में मान्या प्राप्त है। संस्थान को सामाजिक (पैर-तकनीक) शैणी में अटल रैकिंग आप ईविंटटद्युमान आन इनोवशन अर्चावर्मेट्स-2021 द्वारा प्रबन्ध संस्थान दिया गया है।



कृतियों ने संस्कार विविध विद्यालय व भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के लिए हुए कारबर के द्वारा उपायित कृतियां फेजर जनरल डा. अनुल बाजपेयी, संस्थान के निवेदक डा. सुनील शुक्ल, कुलसचिव डा. प्रदीप राव व अन्य ● जाणकारी

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

तिजारत संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अवधार जुड़ गया। शोध अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधार्म गोरखपुर भारतीय उद्यमिता अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा उनके स्टार्टअप्स में मददगर बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताश्रित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षणीयाधीक्षर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरविश्वासीता का ही परिणाम है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू



का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी हैल्पकेर पैग मेडिकल आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई विश्वविद्यालय के छात्रों को हैल्पकेर नर्सिंग फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहाँ के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिपति मेजर जनरल डॉ. अनुल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और

ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. मुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताश्र लिये। इस अवसर पर डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपवेणित पर जोर देते हुए इसे छात्रों को विविध क्षेत्रों में उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप्स हेतु बेहतर भारीदान प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर डॉ. मुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही

पूर्वांचल के युवाओं को फार्मेसी आयुष हैल्पकेर आदि संभावित बेतत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सुजन करते हुए पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वा छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जीवी सत्र पर कार्य कर किया जा रहा है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ईडीआईआई अहमदाबाद में परित्याए एडवोकेट्सी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित रहे। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) का प्रधान कार्यालय गांधी नगर गुजरात में है। ईडीआईआई ने कई गांजों में बैठीय एवं परियोजना कार्यालय स्थापित किये हैं। जहाँ से राज्य की उद्यमिता की विभिन्न परियोजनाओं को संचालित किया जाता है।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र, शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

* महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईडीआईआई अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित* विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता विकास संस्थान

जनसंदेश टाइम्स

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मुख्यमंत्री एवं गोरक्षणीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन तथा रोजगारपरकता के लिए उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र

गोरखनाथ विश्वविद्यालय और भारतीय उद्यगिता विकास संस्थान अहमदाबाद के मध्य एमओयू हस्ताक्षरित

संटीरा गाहक लघुत

संग्रहीत

- छात्रों की हेल्पर्सकेयट, नार्टिंग, पार्कर्सी और आयुर्वेद के सेवा से उत्थानित हेतु सहायतें करते हुए उत्थानित विकास संस्थाएँ

अहमदाबाद के मध्य एक एम्ब्रियो
हस्तावरित किया गया।

गोरखपूर। पूर्ण ठग्र प्रदेश को बड़ी विकास यात्रा में शामिल हो एक और नवाचार अध्यात्म दुर्ग गण। सीधे, उत्तम अनुभव इन नवाचारों के अंतर्गत गोरखपूर की विजया जी और अस्तम महावीरी गोरखपूर विविधात्म, अविकल्पम् गोरखपूर, भारतीय उत्तमिति। विजया मंस्त्राणि (वैदीशीयाऽपि) जलमदाचार के महावीर में साथी को उत्तमी बनाए, इनके द्वारा अन्य विविधात्म में विद्यागत ज्ञानों में उत्तेजना लाना। जलमदाचार के महावीरी उत्तेजना लाना। जलमदाचार में भारतीय उत्तमिति विकास मंस्त्राणि,

भारतीय उद्यमिता किंवदं संघर्षों
के साथ एप्पॉल का दृष्टिकोण
विश्वासनवाद में अधिकान लागू कर
जायेगी। इसके बावजूद, पैरो ने अपने
अनुबोध के लेख में अपने सम्भावनाओं
के प्रति वास्तविक वास्तविक होने परीक्षा
करना है। इंडो-प्राइवेट, विश्वासनवाद
के तहत वह होकरगया, जर्मनी
पर्सनली और अनुबोध के लेख
उत्तराधिकारी द्वारा दर्शाये गए
किंवदं वे योग्यता नहीं।

महानिदेशक ठाूँ मुगील तुक्के इमोशूं पर हस्ताक्षर किल। इतन्हा अवसर पाठा॒ तुक्के राखो एमोशूं तुक्के इमोशूं। यात्रा॒ इमोशूं पाठा॒ तुक्के देले तुक्के इमोशूं जाओ चिपिय क्लेशों में उठान्हा॒ बन्दै न दिलै॒ मैं भालूलूलू कदम बाला॒।

इम अवसर पर ठाूँ मुगील तुक्के इमोशूं मालागोंगी गोरखपाली विश्वविद्यालय बध्यवाद देते हुए काहा को वाह एमोशूं निहालै॒ हो पूचिनाम को तुक्कामों कामोंसी, तुक्कामों देवधर्मकाम आ॒ मालागोंगी शंकोंमें बोलते॒ कदम बाला॒ प्राप्ति बरोगा॒। आपै ताते॒ मामपै मेंै॒ हुे रोजाना॒ युक्त करते हुए॒ पूचिनाम मालागोंगी संभालोगों॒ जल्दी

को ज़ब्बा देने व चाहों को स्फैरोन
में लोडें के उद्देश में हीटोर्ड्यार्ड
द्वारा कई विकल्पालयों के स-
वर्णीय संघर पर कार्रव किया जा
है।

इस अवसर पर कुलभवन
प्रत्येक राष्ट्र हीटोर्ड्यार्ड असमानावधि
पासिनी एजेंसीको संभव तथा विविध
एवं उत्तर खेत्रीय कार्रवाचय के प्रभु
ता अभान रामान द्वितीय भी लोडें
है। यह भी चाहत है कि भवति
उपर्युक्त विकल्प सम्पूर्ण
(हीटोर्ड्यार्ड) का प्रयत्न कार्यालय
पर्याप्त रूप, गुणात्मक है। हीटोर्ड्यार्ड
ने कई विकल्पों में छोड़ा है। परंपरागत

राज्य को उत्तमिता को विभिन्न परिपोषणों को संबलात्त किया जाता है। वह संस्कृत भाषा संस्कृत के विद्यालयों और उत्तमिता विचारालय से उत्तमिता केंद्र (संस्कृत अधिकारी एकाधीशियों) के रूप में वराणसी पाठा है। वह संस्कृत शिक्षा, अनुभवी शिक्षा, प्रशिक्षण, योगी और अवस्थाविद्या सदृप्ति पर उत्तमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेतृत्व दिलचस्पी अर्थात् जैविता है। इसी आधार पर यह सामाजिक (पैरीक-तकनीकी) सेवा में अलग लोकों अंकि इम्प्रेंटेशन अभियान होने वाला अन्यतर अन्यतर प्रैस्ट 2021 द्वारा संस्कृतों को शीर्षित के रूप प्रथम स्थान दिया गया है।

छोटे नवाचारों की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. सुनील शुक्ला

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय भूतपूर्व छात्र सम्मेलन के अन्तर्गत आज शाम विश्वविद्यालय के कमेटी हाल में एक 'शिक्षा-उद्योग बैठक' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व प्रसिद्ध भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के निदेशक डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने संबोधित किया। उन्होंने अकादमिक-उद्योग-सरकार सहयोग के टिप्पणी हेलिक्स मॉडल को समझाया। उन्होंने प्रयोगशाला और उद्योग के बीच संबंधों पर जोर दिया। छोटे नवाचारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने हर्बल सुगंधित औद्योगिक संयंत्रों, हाइड्रोपोनिक्स, यूनिकर्न, सूनीकर्न, डेकाकर्न, अटल सामाजिक नवाचार इनक्यूबेशन मिशन योजना, प्रोटोटाइप विकास और निर्देशन के उदाहरणों का उल्लेख किया। स्टार्ट अप डे अब हर साल 16 जनवरी को मनाया जाता है। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में 15 स्टार्ट अप के

साथ इनक्यूबेशन केंद्र शुरू किया गया है।

उन्होंने गोरखपुर में ईडीआई के टेराकोटा प्रयासों का भी उल्लेख किया। केला फाइबर और अन्य उत्पाद ओडीओपी के लिए महत्वपूर्ण हैं। ओडीओपी के तहत गोरखपुर में रेडीमेड गारमेंट्स दूसरा उत्पाद है। उन्होंने प्लग एंड प्ले मॉडल पर भी जोर दिया। एसपी दुबे, अनु सिंह, नीलम पांडे, गंगाराम चौहान, कल्याणी कीर्ति, राजन जी टेराकोटा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता ने संवाद सत्र में

भाग लिया। अतुल सराफ विशिष्ट अतिथि थे। अंधिवेशन की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने की। डॉ. सुमन कन्नौजिया ने सत्र का समापन किया। समन्वयक प्रो संजय बैजल ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो आरपी सिंह ने सत्र का परिचय दिया। इस कार्यक्रम में चालीस उद्यमियों के साथ प्रोफेसर अवधेश तिवारी, श्रीवर्धन पाठक, सुश्री मनोषा सिंह, पारुल, अंशिका मिश्रा, आनन्दवर्धन व भरत कुमार ने भी प्रतिभाग किया।

शिक्षक उद्योग बैठक

महायोगी गोरखनाथ विवि व अहमदाबाद के ईडीआईआई के बीच एमओयू साइन

मेडिकल छात्रोंको अब मिलेंगे ढेरों विकल्प

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। एक जमाना था जब किसी भी अच्छे छात्रों के सामने डॉक्टर, ईंजीनियर, सिविल सेवा जैसे कुछ चुनिंदा विकल्प ही होते थे लेकिन बदलते बदलते के साथ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बदलाव की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। शनिवार को विवि ने अहमदाबाद स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के साथ एक एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरटैक्सिंग) साइन किया जो छात्रों के सामने ढेरों विकल्प खोलेगा।

दरअसल, देश के विभिन्न उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों के साथ जुड़कर ईडीआईआई हास्टार्ट अपहू को बढ़ावा दे रहा है। इसी क्रम में ईडीआईआई ने पिछले साल गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ भी एमओयू साइन किया था। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे छात्रों को फार्मसी, हेल्थकेयर, पैश मेडिकल और आयुर्वेद के क्षेत्र में परम्परागत से अलग हटकर नई संभावनाओं की तलाश और उन पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इससे डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले इस विश्वविद्यालय के छात्रों के पास प्रैक्टिस



शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विवि ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एक एमओयू साइन किया, जो छात्रों के लिए ढेरों विकल्प खोलेगा। • हिन्दुस्तान

एमओयू के तहत कैसे मदद करेगा ईडीआईआई

ईडीआईआई, महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्रों को हेल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मसी और की क्षेत्र में उद्यमिता में सहयोग करेगा जिससे यहां के छात्र उद्यमी बनकर समाज में योगदान कर सकें। नवाचार और नवोन्मेष से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने से लेकर पढ़ने-पढ़ने तक में दोनों संस्थाएं एक-दूसरे की मदद करेंगी। दोनों संस्थाएं एक-दूसरे के शिक्षकों को विजिटिंग फैकल्टी के रूप में अपने यहां आमंत्रित कर सकेंगी।

के अलावा अपना खुद का स्टार्ट अप शुरू करने का भी विकल्प होगा। ईडीआईआई की खासियत: ईडीआईआई का प्रधान कार्यालय गुजरात के गांधीनगर में है। इस संस्थान ने देश के कई राज्यों में क्षेत्रीय और परियोजना को भागीदारी स्थापित किये हैं। इस संस्थान

को भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। ईडीआईआई शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्मेनिजेशन है।

सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनेंगे छात्र

महायोगी गोरखनाथ विवि की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ अतूल वाजपेयी (सेवानिवृत्त) और ईडीआईआई की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस मौके पर डॉ. वाजपेयी ने कहा कि इसे छात्रों को अलग-अलग क्षेत्रों में उद्यमिता के अवसर मिलेंगे। छात्र पूर्वांचल के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बन सकेंगे। इस मौके पर महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव और ईडीआईआई अहमदाबाद में पालिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी मौजूद रहे।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

ईडीआईआई के महानिदेश डॉ. सुनील शुक्ल ने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच एमओयू से पूर्वांचल के युवाओं को फार्मसी, आयुष, हेल्थकेयर सहित अन्य कई क्षेत्रों में बेहतर अवसर मिलेंगे। छात्र ख्याल रोजगार सुरक्षा करेंगे और अपने क्षेत्र के विकास में बड़ी भूमिका निभाएंगे। नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ ईडीआईआई, देश के कई विश्वविद्यालयों के साथ जमीनी स्तर पर काम कर रहा है।

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधारा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के संस्थान से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मददगार बनेगा।

शिनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय के कुलप्रियति सीएम एप्प गोरक्षणीयवर्य योगी आदित्यनाथ हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अच्छान्नरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्पेक्यर, पैरा मेडिकल तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करना है। ईडीआईआई विश्वविद्यालय के छात्रों को हेल्पेक्यर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहाँ के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डा. अनुल वाजपेयी और ईडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डा. सुनील शुक्ल ने एमओयू की उपवेगिता पर जोर देते हुए इसे छात्रों को उद्यमी बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय के अवसर पर डा. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चात ही पूर्वावल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष, हेल्पेक्यर आदि सभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। अने वाले समय में ये छात्र रोजगार मूलन करते हुए पूर्वावल के सर्वोंगण विकास में सहयोगी बनें। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ईडीआईआई द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जपीनी स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इस दौरा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा.

प्रदीप राव, ईडीआईआई अहमदाबाद में पालियी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डा. अमित कुमार द्विवेदी भी मौजूद रहे। यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है।



महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय तथा
भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई)
अहमदाबाद के मय एमओयू हस्ताक्षरित
छात्रों को हेल्पेक्यर, नर्सिंग, फार्मेसी व आयुर्वेद
के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा उद्यमिता
विकास संस्थान

उद्यमी बनेंगे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप्स

गोरखपुर, ३० अप्रैल। पर्वती उत्तर प्रदेश की जारी विकास यात्रा में शनिवार को एक और सुनहरा अध्याय खुँड़ गया। शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगारपरक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यशाम गोरखपुर, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईंडीआईआई अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाएगा, उनके स्टार्टअप्स में मटदगार बनेगा। इसे लेकर शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के घरिसर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। उद्घेष्ठनीय है कि इस

विश्वविद्यालय के कुलधनिपति मुख्यमंत्री एवं गोरखनाथी योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा व स्वास्थ्य शेत्र के ऊनवन तथा रोजगारपरकत के लिए उनकी दृढ़दर्शिता का ही परिणाम है।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का डेंस्यू विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हैल्थकेयर,

पीरा मेडिकल, आयुर्वेद के क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं के प्रति जागरूक व उद्यमिता हेतु प्रेरित करता है। ईंडीआईआई, विश्वविद्यालय के छात्रों को हैल्थकेयर, नर्सिंग, फार्मेसी और आयुर्वेद के क्षेत्र में उद्यमिता हेतु सहयोग करेगा जिससे यहाँ के छात्र उद्यमी बनकर समाज व देश के विकास में योगदान कर सकें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कूलपति मेजर जनरल डॉ. अनुल वाजपेयी सेवानिवृत्त और ईंडीआईआई अहमदाबाद की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डॉ. वाजपेयी ने एमओयू की उपरागता पर जोग देते हुए इसे छात्रों को विकास क्षेत्रों में उद्यमी बनने को दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब इस विश्वविद्यालय

के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर डॉ. सुनील शुक्ल ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को धन्यवाद देते हुए कहा की यह एमओयू निश्चित ही पूर्वावल के युवाओं को फार्मेसी, आयुष्य, हैल्थकेयर आदि संभावित क्षेत्रों में बेहतर अवसर प्रदान करेगा। आने वाले समय में ये छात्र रोजगार सुनन करते हुए पूर्वावल के स्वास्थ्यीण विकास में सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा की नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने व छात्रों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ईंडीआईआई

द्वारा कई विश्वविद्यालयों के साथ जयोतीनी स्तर पर कार्य कर किया जा रहा है। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कूलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईंडीआईआई अहमदाबाद में पालिसी एडवोकेसी और रिसर्च विभाग एवं ऊनवन तज्ज्ञ क्षेत्रीय कारबोलय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी उपस्थित हैं। यह भी बता दें कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ईंडीआईआई का प्रधान कार्यालय गांधी नगर, गुजरात में है। ईंडीआईआई ने कई राज्यों में क्षेत्रीय एवं परियोजना कारबोलय स्थापित किये हैं, जहाँ से राज्य की उद्यमिता को विभिन्न परियोजनाओं को संचालित किया जाता है। यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्ट केंद्र सेट अफ एक्सीलेस के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनजेशन है। ईंडीआईआई की सामान्य गैर-तकनीकी ब्रिंजों में अटल रैंकिंग और ईंस्टट्यूशन अन इनोवेशन अचौक्वमेंट्स 2021 द्वारा संस्थानों को रैंकिंग के तहत प्रथम स्थान दिया गया है।

महायोगी गोरखनाथ विवि के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुआ अनुबंध

अमर उजाला व्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र शुरू कर सकेंगे स्टार्टअप। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शोध, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ रोजगार परक शिक्षा की ओर अग्रसर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद के सहयोग से छात्रों को उद्यमी बनाते हुए स्टार्टअप में मददगार बनेगा।

इसके लिए शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ अनुबंध पर (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को फार्मेसी, हेल्थकेयर, पैरामेडिकल, आयुर्वेद के



महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शनिवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ अनुबंध पर (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया। अमर उजाला

क्षेत्र में अपार संभावनाओं के प्रति जागरूक और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी और ईडीआईआई की ओर से महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अब इस

विश्वविद्यालय के छात्र स्टार्टअप हेतु बेहतर मार्ग दर्शन प्राप्त कर सकेंगे। डॉ. सुनील ने कहा की यह अनुबंध पूर्वांचल के युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करेगा। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, ईडीआईआई में पालिसी एडबोकेसी और रिसर्च विभाग एवं उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय के प्रभारी डॉ. अमित कुमार द्विवेदी भी मौजूद रहे।